अस्वीकरण :

बाजार की स्थितियाँ महत्वपूर्ण लाभ या हानि करवा सकती हैं. निवेशकों को ट्रेडिंग करने से पहले उत्पाद और बाजार के बारे में पर्याप्त जानकारी और निवेश की समुचित सलाह हासिल करने का सुझाव दिया जाता है. यहाँ प्रदान की गई सामग्री केवल सामान्य जानकारी के लिए है. प्रामाणिकता सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास करते हुए हम पाठकों को जानकारी और उसकी सामग्रियों की प्रामाणिकता या संपूर्णता की बिना किसी वॉरंटी के जानकारी देते हैं और यह शर्त रखते हैं कि कोई बदलाव, चूक या भूल किसी दावे, माँग या कार्रवाई के कारण का आधार नहीं बनेगा.

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड

एक्सचेंज प्लाज़ा, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुम्बई–४०००५१, भारत

टेलीफोन :९१ २२ २६५९८१०० / ६६४१८१०० फैक्स :+९१ २२ २६५९८१२० ई–मेल : cc_nse@nse.co.in वेबसाइट : www.nseindia.com

Back

www.nseindia.com

गोल्ड फ ईटीएफ

NSE

Front

NSE
National Stock Exchange of India Limited

गोल्ड (सोना) प्राचीन काल से ही भारतीयों में अत्यधिक प्रचलित रहा है. लगभग हर घर में इसे किसी न किसी रूप से सहेजा ही जाता है और विवाह, धार्मिक समारोहों आदि जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों का हिस्सा बनता है. यह एक मुख्य संपत्ति भी है, जिसे मुद्रा और कमॉडिटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है. विशेषतः, सोने को मुद्रास्फीति और मुद्रा के उतार चढ़ावों का सामना करने के लिए खरीदा जाता है. सोने के समावेश वाले पोर्टफोलियो आम तौर पर अन्य पोर्टफोलियो के मुकाबले ज्यादा मजबूत और कम वोलेटाइल माने जाते हैं. समूचे रूप से, सोना अधिकतर कमॉडिटीज़ और कई इक्विटी इंडायसेस के मुकाबले कम उतार चढाव वाले होते है.

वैश्विक माँग और सोने के मूल्य का चलन :

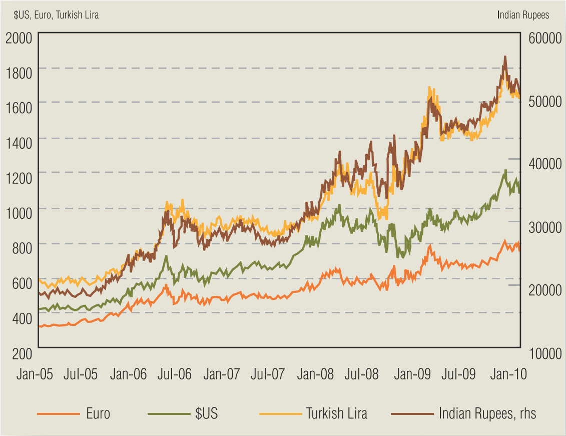

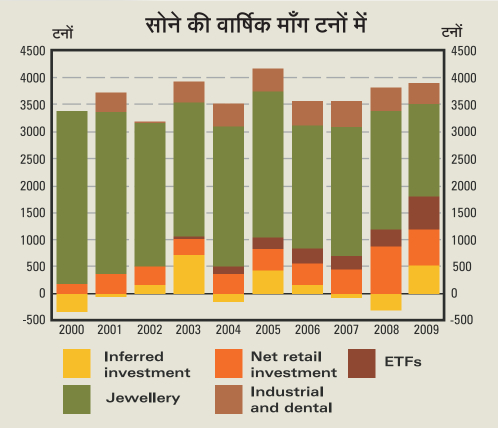

(स्रोत : वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल)

गोल्ड ईटीएफ क्या है?

गोल्ड ईटीएफ भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करने वाली युनिट्स हैं, जो पेपर या डीमैटीरियालाइज्ड रूप में हो सकता है. इन युनिट्स को किसी कंपनी के सिंगल स्टॉक की तरह एक्सचेंज किया जाता है. गोल्ड ईटीएफ का उद्देश्य निवेशकों को सोने की भौतिक डिलीवरी लिए बिना गोल्ड बुलियन मार्केट में भाग लेना और स्टॉक एक्सचेंज पर सिक्युरिटी की ट्रेडिंग के माध्यम से प्रतिभागिता करके सोना खरीदने और बेचने की सुविधा प्रदान करना होता है.

एनएसई पर लिस्टेड गोल्ड ईटीएफ

संकेत	एएमसी	युनिट/कॉन्ट्रैक्ट
GOLDBEES	बेंचमार्क म्युचुअल फंड	१ ग्राम
GOLDSAHRE	यूटीआई म्युचुअल फंड	१ ग्राम
KOTAKGOLD	कोटक म्युचुअल फंड	१ ग्राम
RELGOLD	रिलायन्स म्युचुअल फंड	१ ग्राम
QGOLDHALF	क्वांटम म्युचुअल फंड	१ ग्राम
SBIGETS	एसबीआई म्युचुअल फंड	१ ग्राम
RELIGAREGO	रेलीग्री म्युचुअल फंड	१ ग्राम
HGETF	एचडीएफसी म्युचुअल फंड	१ ग्राम

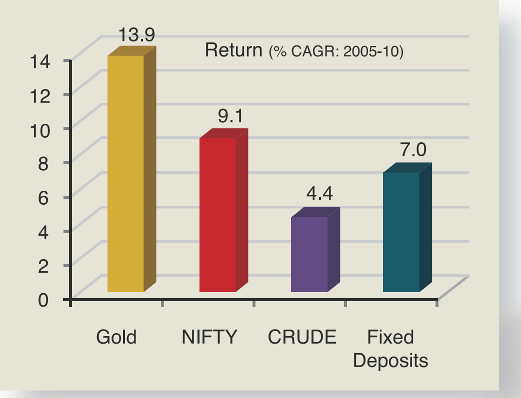

ट्रेड करने का तरीका :

गोल्ड ईटीएफ में ट्रेड करना बहुत आसान है. यह इक्विटी शेयरों में ट्रेड करने जैसा ही है यानि कि आपको एनएसई (NSE) की सदस्यता वाले किसी ब्रोकर के साथ खुद को रजिस्टर करना होगा, केवायसी फॉर्म भरना होगा, डीमैट अकाउंट खोलना होगा और फिर ट्रेडिंग शुरू करनी होगी.

ईटीएफ बनाम भौतिक सोना :

मापदंड	जीईटीएफ	ज्वेलर्स	बैंक्स
खरीदने और बेचने का तरीका	डीमैट रूप	ईंट/सिक्का/गहने	ईंट या सिक्का
संपत्ति की सुरक्षा	फंड द्वारा ली जाती है	निवेशक की फिक्र	निवेशक की फिक्र
पारदर्शिता	अत्यधिक	बहुत कम	बहुत कम
अशुद्धता का जोखिम	बिल्कुल नहीं	बहुत ज्यादा	बिल्कुल नहीं
कीमत (रीटेल निवेशकों के लिए)	पारदर्शक. एनएसई द्वारा ट्रेड किया जाएगा	न तो मानक और न ही पारदर्शक	मानक नहीं, बहुत ज्यादा
वापस बेचना	एक्सचेंज पर वापस बेंच सकते है	शर्तों के साथ और गैर किफायती	निश्चित, आदर्श रूप से १०-१५% की मनाही होती है
बिड आस्क स्प्रेड	बहुत कम	बहुत ज्यादा	वापस नहीं बेच सकते
वर्ग	१ ग्राम और १ ग्राम के गुणक	मानक मूल्यवर्ग में उपलब्ध	मानक मूल्यवर्ग में उपलब्ध
संपत्ति कर	नहीं	हाँ	हाँ
लॉंग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स	१ साल के बाद लागू	३ साल के बाद लागू	३ साल के बाद लागू

ईटीएफ के लाभ :

- **पारदर्शक कीमत :** गोल्ड ईटीएफ के माध्यम से सोने में निवेश करते समय निवेशक को बेहतरीन संभव कीमत मिलती है.
- **आसान पहुँच–** एनएसई के देश के १५०० शहरों में १,८०,००० से ज्यादा टर्मिनल्स हैं.
- **शुद्धता–** चूँकि गोल्ड ईटीएफ को डीमैट या पेपर रूप में रखा जाता जा सकता है, इसलिए वह भौतिक सोने से जुड़ी अशुद्धता के मुद्दे खत्म कर देती है.
- **सुरक्षा–** गोल्ड ईटीएफ के साथ संग्रहण नहीं है इसलिए सुरक्षा से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं है.

- **छोटे वर्गों में उपलब्ध–** जीटीईएफ में न्यूनतम निवेश एक युनिट है (जो अधिकतर स्कीमों में एक ग्राम के बराबर है), जो रीटेल निवेशकों के लिए अति उपयुक्त है.
- **आसान एसेट अलोकेशन और डायवर्सीफिकेशन प्रदान करती है–** संपत्ति वर्ग के रूप में सोने में निवेश करने से निवेशक को उसके पोर्टफोलियो में विविधता लाने में मदद मिलती है.
- **कर लाभ–**
  - ईटीएफ के माध्यम से सोने में निवेश करने पर कोई बिक्री कर/वैट/एसटीटी नहीं लगता.
  - युनिट्स की ट्रेडिंग स्टॉक एक्सचेंज पर होने के कारण, निवेशक के लिए लॉंग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स के योग्य बनने के लिए होल्डिंग की अवधि १ साल है जबकि वह भौतिक सोने के मामले में ३ साल है.

बार बार पूछे जाने वाले प्रश्न :

१. गोल्ड ईटीएफ कौन इस्तेमाल कर सकता है ?

ईटीएफ की अनूठी संरचना के कारण, रिटेल या इंस्टिट्यूशनल, दीर्घ अवधि या लघु अवधि, वाले सभी तरह के निवेशक इसका लाभ उठा सकते हैं.

२.क्या गोल्ड ईटीएफ को आसानी से खरीद बेंचा जा सकता है ?

जी हाँ. चूँकि गोल्ड ईटीएफको एक्सचेंज पर असरदार तरीके से ट्रेड किया जाता है, व्यक्ति जरूरत न होने पर अपनी स्थिति को आसानी से लिक्विडेट कर सकता है. एएमसी कंपनियाें द्वारा प्राधिकृत प्रतिभागी (ऑथोराइज़्ड पार्टिसिपेंट) डिमांड या सप्लाय के आधार पर ईटीएफ बनाकर या वापस लेकर लिक्विडिटी प्रदान करने में मदद करते है।

३.गोल्ड ईटीएफ में ट्रेडिंग से जुड़ी लागतें क्या हैं ?

ईटीएफ में निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इस पर सिक्युरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) नहीं लगता. ईटीएफ की ट्रेडिंग स्टॉक एक्सचेंज पर होने के कारण, बाकी सभी लागतें इक्विटीज़ में ट्रेडिंग करने के समान ही हैं.

४. क्या गोल्ड को जामीन या मार्जिन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है ?

जी हाँ, गोल्ड को जामीन या मार्जिन माना जा सकता है. अधिकतर वित्तीय संस्थान गोल्ड को कुछ लागू हेयर कट के साथ जामीन या मार्जिन के रूप में स्वीकार करते हैं. लागू हेयर कट पत्रिकाओं के माध्यम से समय समय पर प्रकाशित किए जाते हैं.

५. खरीदे गए सोने की शुद्धता की गारंटी कौन देगा ?

निवेशकों की ओर से ऑथोराइज़्ड कस्टोडियन (सेफ कीपर) एलबीएमए लंडन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (LBMA) मान्य रिफाइनर्स से सोना लेता है. कस्टोडियन द्वारा सभी स्कीमों में भौतिक सोने में रखी गई राशि प्रति १००० के ९९ भागों की शुद्धता है. दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो यह सोना ९९.५ प्रतिशत शुद्ध है. आम भाषा में शुद्धता के इस स्तर को २४ कैरेट सोना कहा जाता है. इसके अलावा कस्टोडियन द्वारा रखा जाने वाला सोना पूरी तरह बीमित होता है.

गोल्ड ईटीएफ से जुड़े कुछ बुनियादी शब्द :

एनएवी : का मतलब ईटीएफ का प्रबंधन करने वाली एसेट मैनेजमेन्ट कंपनी (एएमसी) द्वारा हर रोज घोषित की जाने वाली नेट एसेट वैल्यू है. इसकी गणना पोर्टफोलियो की कुल कीमत में से देयताएँ घटाकर उसे बकाया ईटीएफ फंड की संख्या से विभाजित करके की जाती है.

बिड : वह कीमत जिस पर निवेशक गोल्ड ईटीएफ खरीदना चाहता है.

आस्क : वह कीमत जिस पर निवेशक गोल्ड ईटीएफ बेचना चाहता है.

क्रिएशन : जब भी ऑथोराइज़्ड पार्टिसिपेंट (एपी) की ओर से ईटीएफ की माँग होती है तब ताजा गोल्ड ईटीएफ की रचना करने की प्रक्रिया

रिडेम्प्शन : जब भी एपी की ओर से ईटीएफ की सप्लाय हो तब गोल्ड ईटीएफ को वापस खरीदने की प्रक्रिया

ट्रैकिंग एरर : यह ईटीएफ के साथ घरेलू कीमत के बताए गए मूल्य में अंतर है (आम तौर पर यह ०.०५% से ०.०७% के बीच होता है).

NSE
National Stock Exchange of India Limited

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज के बारे में

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) भारत का मुख्य स्टॉक एक्सचेंज है जो देश भर के विभिन्न शहरों और नगरों को शामिल करता है. इसकी स्थापना देश के अंदर पूरी तरह ऑटोमेटेड आधुनिक स्क्रीन आधारित ट्रेडिंग सिस्टम प्रदान करने के लिए की गई थी. यह एक्सचेंज अतुलनीय पारदर्शिता, गति और कार्यकुशलता, सुरक्षा एवं मार्केट सुरक्षा लाया है. इसने प्रणालियों, पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ में सिक्युरिटी इंडस्ट्री के लिए आदर्श के के रूपमें सेवारत संयंत्र स्थापित किए हैं. एनएसई ने सूक्ष्म संरचना (माइक्रोस्ट्रक्चर), मार्केट पद्धतियों और ट्रेडिंग की मात्रा के संदर्भ में भारतीय सिक्युरिटी मार्केट के पुनर्गठन में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है. कुशल और पारदर्शी ट्रेडिंग, क्लीयरिंग और सेटलमेन्ट तरीका प्रदान करने के लिए आज मार्केट लाजवाब इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी उपयोग करती है और उत्पादों एवं सेवाओं में अनेक नवीन पद्धतियाँ देखी हैं, जो हैं स्टॉक एक्सचेंज गवर्नेंस का डीम्युचुअलाइज़ेशन, स्क्रीन बेस्ड ट्रेडिंग, सेटलमेन्ट सायकल्स का कॉम्प्रेशन, ट्रेडिंग मेम्बर्स का प्रोफेशन्लाइज़ेशन, फाइन–ट्यून्ड रिस्क मैनेजमेन्ट सिस्टम्स, काउंटर पार्टी के रिस्क का अनुमान लगाने के लिए क्लीयरिंग कॉर्पोरेशन्स का उद्गम, डेब्ट और डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेन्ट की मार्केट और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का विस्तृत उपयोग.

उपलब्धियाँ :

अप्रैल ९३	स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता
नवम्बर ९४	कैपिटल मार्केट (इक्विटीज़) सेग्मेंट शुरू हुआ
अक्तूबर ९५	देश का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज बन गया
अप्रैल ९६	एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टी लॉन्च की
फरवरी ००	इंटरनेट ट्रेडिंग का प्रारंभ
जून ००	डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग का प्रारंभ (इंडेक्स फ्युचर्स)
जून ०१	इंडेक्स ऑप्शन्स में ट्रेडिंग का प्रारंभ
जून ०७	एनएसई ने नई इंडेक्स डेरिवेटिव्स लॉन्च की
जनवरी ०८	मिनी निफ्टी डेरिवेटिव्स पेश की
मार्च ०८	लॉंग टर्म ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट्स पेश किए
अप्रैल ०८	सिक्युरिटीज़ लेंडिंग और बॉरोइंग स्कीम लॉन्च की, वीआईएक्स लॉन्च की
अगस्त ०८	करेंसी फ्युचर ट्रेडिंग लॉन्च की
अगस्त ०९	इंटरेस्ट् रेट फ्युचर का लॉंच
नवम्बर ०८	म्युचुअल फंड सर्विस सिटम लॉन्च किया
दिसम्बर ०८	सेटलमेन्ट ऑफ कॉर्पोरेट बॉन्ड्स शुरू किया
फरवरी १०	एडिशनल करेंसे पेयर्स पर करेंसी फ्युचर ट्रेडिंग लॉन्च की
मार्च १०	हैंग सैंग ईटीएफ लॉन्च की